NS – 087

III Semester B.B.A. Examination, November/December 2016
(CBCS) (Repeaters) (2015-16 Only)
HINDI LANGUAGE – III
Natak, Pathra Aur Sankshepan

Time : 3 Hours Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्य में लिखिए : **(1×10=10)**

1) 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक के नाटककार कौन हैं ?
2) नारद की भूमिका किसने निभाई थी ?
3) लौका कौनसी जाति का है ?
4) हरिश्चन्द्र किसके हाथों बिकता है ?
5) शैत्या कितने में बिकती है ?
6) रोहित किसका पुत्र है ?
7) मरघट में हरिश्चन्द्र किससे कर माँगता है ?
8) रोहित को शैत्या कफ़न के रूप में क्या ओढ़ती है ?
9) अहंकार की पहचान क्या है ?
10) मिस पद्मा क्या काम करती थी ?

II. किन्हीं **दो** अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **(6×2=12)**

1) ''हमारा धर्म ही है दूसरों की चिंता करना और अपनी सेवा करना''।
2) ''गाँव के लोग राजनीति के दाँव-पेंच कभी नहीं समझ सकते। भावना पर जीते हैं । इन्हें भावना के ही ड़ंड़े से हाँकिए ।''
3) ''आप हमारे मालिक हैं, पर आपका मालिक कौन है'' ?

III. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए : **(12×1=12)**

1) 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
2) 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक के प्रमुख पात्रों की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

IV. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : (6×1=6)

1) देवधर ।

2) विश्वामित्र ।

V. पत्र लिखिए (कोई **2**) : (10×2=20)

1) अवर सचिव वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से निदेशक, निर्माण तथा आवास मंत्रालय, कर्नाटक राज्य को, कर्मचारियों के लिए आवास व्यवस्था के विषय के संबंध में लिखा गया पूर्व पत्र का उत्तर न प्राप्त होने हेतु, अनुस्मारक लिखिए ।

2) जिलाधिकारी, बेंगलूरु की ओर से पुलिस अधीक्षक को, राष्ट्रपति के बेंगलूरु आगमन पर सूचना देते हुए, सुरक्षा की पूरी तैयारी करने के लिए सुझाव जानने हेतु एक अर्द्ध-सरकारी पत्र लिखिए ।

3) उप-सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से सचिव, शिक्षा मंत्रालय, कर्नाटक सरकार को, राज्य में हो रही हिन्दी की प्रगति पर विवरण माँगते हुए एक सामान्य सरकारी पत्र लिखिए ।

VI. उचित शीर्षक देते हुए **एक तिहाई** शब्दों में संक्षिप्तिकरण कीजिए : (10×1=10)

आधुनिक युग में कोई भी देश अपने देश की सीमाओं में बँधकर नहीं रह सकता । उसे किसी न किसी मामले में दूसरे देशों से संबंध रखना ही पड़ता है । आज के व्यापार का क्षेत्र भी अन्तराष्ट्रीय हो गया है । अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधों में धन के लेन-देन कि सुविधा के लिए एक देश की मुद्रा को दूसरे देश की मुद्रा में बदलने के लिए एक निश्चित विनिमय दर होती है । इसी दर के अनुसार किसी देश की मुद्रा को अन्य देश की मुद्रा में बदला जाता है । जब कोई देश अपनी मुद्रा की विनिमय घटा देता है अर्थात् अपनी मुद्रा सस्ती कर देता है, तो उसे उस देश की मुद्रा का अवमूल्यन कहा जाता है । संक्षेप में इसे यों भी कह सकते हैं कि अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा बाज़ार में यदि किसी देश की मुद्रा की विनिमय दर कम हो जाए तो यह उस देश की मुद्रा का अवमूल्य कहलाता है ।